| भाग अ - परिचय | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : प्रमाण पत्र | | कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष | वर्ष : 2021 | सत्र : 2021-22 |
| विषय : समाजशास्त्र | | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | | A1- SOCI2T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | | समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं - ~~I~~ प्रश्न पत्र -2 | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....) | | मूल (कोर कोर्स) पाठ्यक्रम | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | | बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेशित सभी विद्यार्थियों के लिए यह एक चयनित विषय है। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | | 1. इस पाठयक्रम में समाजशास्त्र की सभी प्रमुख अवधारणाओं को शामिल किया गया है , जो विध्यार्थियों को सामान्य ज्ञान और समाजशास्त्रीय ज्ञान के बीच अंतर करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने में सक्षम बनाता है।<br>2. समाज, सामाजिक समूहों, सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्था आदि की वैचारिक शिक्षा विद्यार्थियों को उनके दैनिक जीवन में मदद करेगी।<br>3. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को शासकीय ,कार्पोरेट,गैर सरकारी संगठन एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी मिलेगी।<br>4. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करने के साथ साथ उनके व्यक्तित्व विकास मे सहायक होगा .<br>5. परिवार, विवाह, नातेदारी जैसी भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा का अध्ययन छात्रों को कई सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम बनाएगी।<br>6. सांस्कृतिक विलम्बना के सिद्धांत का अध्ययन छात्रों को पीढीगत अंतर के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा और इस संघर्ष को कम करने में सहायता करेगा।<br>7. संस्कृति, समाजीकरण और सभ्यता की शिक्षा छात्रों को समाजिकरण की नई एजेन्सीयों से परिचित कराएगी और उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होगी। | |
| 6 | क्रेडिट मान | | सैद्धांतिक – 6 | |
| 7 | कुल अंक | | अधिकतम अंक: 25 सीसीई +75 विप | न्यूनतम उत्तीर्णांक : 33 |

| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): 6-0-0 | | |
| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
| प्रथम | समाजशास्त्र का उदय -<br>1. भारतीय चिन्तन की परम्परा<br>2. समाजशास्त्र -<br>2.1 अर्थ<br>2.2 अध्ययन क्षेत्र<br>2.3 विषय वस्तु<br>2.4 महत्व<br>3. समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास<br>(मध्यप्रदेश के विशेष सन्दर्भ सहित)<br>4. एक विज्ञान के रूप में समाजशास्त्र<br>5. समाजशास्त्र में मानवतावादी उन्मुखीकरण<br>6. अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध<br>7. समाजशास्त्र और व्यवसाय | 18 |
| **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** भारतीय चिन्तन की परम्परा, समाजशास्त्र का उदय, समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र में मानवतावादी उन्मुखीकरण, समाजशास्त्र में व्यवसाय के अवसर | | |
| द्वितीय | मूलभूत अवधारणाऐं -<br>1. समाज<br>2. व्यक्ति एवं समाज के मध्य संबंध<br>3. समुदाय<br>4. समिति<br>5. संस्था<br>6. सामाजिक समूह<br>7. सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य<br>8. प्रस्थिति एवं भूमिका | 18 |
| **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** व्यक्ति और समाज के मध्य संबंध, सामाजिक संरचना,सामाजिक समूह, सामाजिक स्थिति, समाजशास्त्र में समिति | | |

| | | |
|---|---|---|
| तृतीय | सामाजिक संगठन एवं संस्थाऐं -<br>(अवधारणा, उदभव , विकास, स्वरूप एवं चुनौतियां)<br>1. सामाजिक संगठन<br>2. सामाजिक व्यवस्था<br>3. परिवार<br>4. नातेदारी<br>5. विवाह<br>6. जाति,वर्ग एवं शक्ति<br>7. शिक्षा | 18 |
| **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** सामाजिक संगठन, सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक संस्था, जाति एवं वर्ग, नातेदारी | | |
| चतुर्थ | सामाजिक सांस्कृतिक प्रक्रियाऐं -<br>1. संस्कृति -<br>1.1 अर्थ<br>1.2 विशेषताऐं<br>1.3 प्रकार<br>1.4 संस्कृति के उपादान<br>1.5 सांस्कृतिक विलम्बना<br>1.6 संस्कृति एवं सभ्यता<br>2. समाजीकरण -<br>2.1 अर्थ<br>2.2 विशेषताऐं<br>2.3 सौपान<br>2.4 अभिकरण<br>2.5 प्रकार<br>2.6 महत्व<br>3. सामाजिक प्रक्रियाऐं -<br>3.1 सहयोग<br>3.2 व्यवस्थापन<br>3.3 प्रतिस्पर्धा<br>3.4 संघर्ष | 18 |
| **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** संस्कृति, सामाजिक प्रक्रिया, सांस्कृतिक विलम्बना, सभ्यता,सामाजिकरण | | |

| | | |
|---|---|---|
| पंचम | सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन –<br>1. समाजीकरण नियंत्रण -<br>1.1 अर्थ<br>1.2 विशेषताऐं<br>1.3 प्रकार<br>1.4 सामाजिक नियंत्रण के साधन<br>2. सामाजिक स्तरीकरण -<br>2.1 अर्थ,<br>2.2 विशेषताऐं<br>2.3 आधार<br>2.4 स्वरूप<br>3. सामाजिक गतिशीलता -<br>3.1 अर्थ<br>3.2 विशेषताऐं<br>3.3 प्रकार<br>4. सामाजिक परिवर्तन -<br>4.1 अर्थ<br>4.2 विशेषताऐं<br>4.3 सामाजिक परिवर्तन के कारक<br>4.4 सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान | १८ |

**सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**


1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) *Society*: *An Introductory Analysis*, New York.

2- Beteille Andre (1965) *Caste Class & Power*, California University, Berkcley.

3- Ghurye GS (1961) *Caste, Class & occupation*, Popular Book Depot., Bombay.

4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of *Sociology*, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.

5- Giddens, A. (2006). *Sociology* (5th ed.). Oxford University Press. London

6- Horton and Hunt. (1964) *Sociology* - *The Discipline and its Dimensions*: New Central Book Agency, Calcutta.

7- Johnson, Harry M.. (1988) *Sociology - A Systematic Introduction*. Allied Publishers Pvt. Ltd,New Delhi.
8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology- Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi.
9- Shankar Rao C.N. ( 2019) Sociology- S Chand and company Ltd, New Delhi
10- Shankar Rao C.N. ( 2018) Sociology of Indian society - S Chand and company Ltd, New Delhi
11- Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.
12- Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.
13- दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
14- आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
15- अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशास्त्र की मूल अवधारणाऐं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
16- सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणायें एवं सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
17- बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. ( 2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी , भोपाल.
19- सचदेवा डी. आर (2005) समाजशास्त्र के सिद्धान्त, किताब महल, इलाहबाद.

**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:**
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE): | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>**कुल अंक :25** |
| **आकलन :**<br>**विश्वविद्यालयीन परीक्षा:**<br>समय- 02.00 घंटे | **अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक50 शब्द)**<br>**अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक200शब्द)**<br>**अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक500 शब्द)** | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>**कुल अंक 75** |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

| Part A Introduction | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Program : Certificate Course | | Class : B.A. 1st year | Year : 2021 | Session : 2021-2022 |
| Subject: Sociology | | | | |
| 1 | Course Code | A1-SOCI2T | | |
| 2 | Course Title | Basic Concepts of Sociology (Paper II) | | |
| 3 | Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....) | Core Course | | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | This is an elective paper open for all B.A 1st year students. | | |
| 5 | Course Learning outcomes (CLO) | 1. The course is designed to incorporate all the key concepts of Sociology which would enable the learner to develop keen insight to distinguish between the commonsense knowledge and Sociological knowledge.<br>2. The conceptual learning of Society, Social groups, Social structure, Social institution etc, will help students in their day to day living.<br>3. By studying this paper students will get information about various employment opportunities in government, corporate, N.G.O. and self employment sector.<br>4. This paper gives students an awareness of cultural differences and provides them with opportunity to enhance their cultural sensitivity.<br>5. The concepts of Indian social institutions, such as, family, Marriage, Kinship will enable students to consider their roles in solving many social problems.<br>6.The theory of cultural lag will make students better understand the conflict of generational gap and minimize it in due course.<br>7. Teaching of culture, socialization and civilization will emphasise not only the new agencies of socialization but also their significance in personality development. | | |
| 6 | Credit Value | Theory – 6 | | |
| 7 | Total Marks | Max. Marks: 25+75 | Min. Passing Marks:33 | |

| Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6 hours per week**<br>**L-T-P: 6-0-0** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **Emergence of Sociology :**<br>1. Tradition of Indian Thinking<br>2. Sociology<br>2.1 Meaning<br>2.2 Scope<br>2.3 Subject Matter<br>2.4 Importance<br>3. Origin and Development of Sociology<br>(Including Special Reference to Madhya Pradesh)<br>4. Sociology as a Science<br>5. Humanistic Orientation in Sociology<br>6. Relationship with other Social Sciences<br>7. Sociology and Professions | 18 |
| **Keywords/Tags:** Tradition of Indian Thinking, Emergence of Sociology, Development of Sociology, Humanistic Orientation in Sociology, Professions in Sociology | | |
| II | **Basic Concepts :**<br>1. Society<br>2. Relation between Individual and Society<br>3. Community<br>4. Association<br>5. Institution<br>6. Social Group<br>7. Social Structure and Function<br>8. Status and Role | 18 |
| **Keywords/Tags:** Relation between Individual and Society ,Social Structure, Social Group , Social Status, Association in Sociology | | |
| III | **Social Organization and Institutions:**<br>(Concept, Emergence, Development, Forms and Challenges)<br>1. Social Organization<br>2. Social System<br>3. Family | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 4. Kinship<br>5. Marriage<br>6. Caste, Class and Power<br>7. Education | |
| **Keywords/Tags:** Social Organization, Social System, Social Institution, Class, Kinship | | |
| IV | **Socio-Cultural Processes :**<br>1.Culture<br>1.1 Meaning<br>1.2 Characteristics<br>1.3 Types<br>1.4 Components of Culture,<br>1.5 Cultural lag<br>1.6 Culture and Civilization<br>2. Socialization<br>2.1 Meaning<br>2.2 Characteristics<br>2.3 Stages<br>2.4 Agencies<br>2.5 Types<br>2.6 Importance<br>3. Social Processes<br>3.1 Cooperation<br>3.2 Accommodation<br>3.3 Competition,<br>3.4 Conflict | 18 |
| **Keywords/Tags:** Culture, Social Process, Cultural lag, Civilization, Socialization | | |
| V | **Social Control and Change :**<br>1. Social Control<br>1.1 Meaning<br>1.2 Characteristics<br>1.3 Types<br>1.4 Means of Social Control<br>2. Social Stratification<br>2.1 Meaning<br>2.2 Characteristics | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.3 Bases<br>2.4 Forms<br>3. Social Mobility<br>3.1 Meaning<br>3.2 Characteristics<br>3.3 Types<br>4. Social change<br>4.1 Meaning<br>4.2 Characteristics<br>4.3 Factors of social change<br>4.4 Patterns of social change | |
| **Keywords/Tags:** Social Control, Social Change, Social Stratification, Social Mobility, Patterns of social change | | |

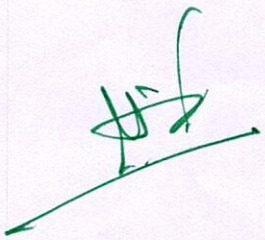

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

**Suggested Readings:**


1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) *Society*: *An Introductory Analysis*, New York.

2- Beteille Andre (1965) *Caste Class & Power*, California University, Berkcley.

3- Ghurye GS (1961) *Caste, Class & occupation*, Popular Book Depot., Bombay.

4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of *Sociology*, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.

5- Giddens, A. (2006). *Sociology* (5th ed.). Oxford University Press. London

6- Horton and Hunt. (1964) *Sociology - The Discipline and its Dimensions*: New Central Book Agency, Calcutta.

7- Johnson, Harry M.. (1988) *Sociology - A Systematic Introduction*. Allied Publishers Pvt. Ltd,New Delhi.

8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology- Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi.

9- Shankar Rao C.N. ( 2019) Sociology- S Chand and company Ltd, New Delhi

10- Shankar Rao C.N. ( 2018) Sociology of Indian society - S Chand and company Ltd, New Delhi

11- Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.

12- Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.

13- दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.

14- आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.

15- अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशास्त्र की मूल अवधारणाऐं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.

16- सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणायें एवं सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.

17- बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.

18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. (2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.

19- सचदेवा डी. आर (2005) समाजशास्त्र के सिद्धान्त, किताब महल, इलाहबाद.


Suggestive digital platforms web links
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

**Suggested equivalent online courses:**
IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25 | Class Test | 15 |
| | Assignment/Presentation | 10 |

| | | |
|---|---|---|
| **External Assessment :**<br>University Exam Section: 75<br>Time : 02.00 Hours | **Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each)<br>**Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each)<br>**Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30 Total 75 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |